

श्याम नाम की पगली | By Sanjay Mittal |

पति के नाम पे कुर्बान हो जाये जो औरत
दुनिया में अपना नाम अमर कर जाये जो औरत
पति के लिए जो सब कुछ त्याग दे जो औरत
वही है सच्ची नारी वही है सच्ची औरत

एक है कहानी कहता हु मै जुबानी
एक है कहानी कहता हु मै जुबानी
कलयुग में चमत्कार बाबा श्याम हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

बंगाल में रहता था एक सेठ दम्पति
पति था कामदेव पत्नी सुंदरी सती
वश्यावृत्ति में सेठ ने लुटा दी सम्पति
भिखारी जैसी हो गयी थी सेठ की गति
वश्यावृत्ति में सेठ वो तो भोगी हो गया
वश्यावृत्ति में कोढ़ का वो रोगी हो गया
वश्या ने कहा सेठ अब आना तुम नहीं
भिखारी कोढ़ियों का ये ठिकाना है नहीं
ये ठिकाना है नहीं ये ठिकाना है नहीं
वश्या के पास जाकर धन सम्पति लुटाकर
सुंदर सती का पति बदनाम हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

एक रोज पत्नी को एक सख्ख मिल गया
बड़े भाग्य से श्री श्याम जी का भगत मिल गया
बोला भगत जो बिगड़ी किस्मत बनाईये
फागुन में एक बार खाटू नगरी जाईये
फाल्गुन में पत्नी अपना मंगलसूत्र बेचकर
लेकर पति को चल पड़ी श्री श्याम के नगर
रस्ते में सुंदरी पे पड़ी एक पापी की नजर
बोला वो छोड़ कोढ़ी को चल रानी मेरे घर
पापी से पत्नी बोले ये कोढ़ इनका लेले
पर नारी भोगने का ये अंजाम हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

रिग्स में वो भूखी रही पति को खिलाया
भिखारी से ठेला खरीद बांस मंगाया
पैसे भी खतम हो गये कोई काम न आया
साडी का पल्ला फाड़ क निशान बनाया
कोई एक चुटकी रंग भी उधार ना दिया
हर जिस्म को काटा और निशान रंग लिया
देखा जो श्याम भगतो ने पगली ने क्या किया
निशान पर लहू से श्याम नाम लिख दिया
कोढ़ी को ला रही है एक पगली आ रही है
श्री श्याम भगतो में ये चर्चा आम हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

चलते चलते पगली थक के चूर हो गयी
भूखी प्यासी गिर पड़ी मजबूर हो गयी
उस गुप अन्धेरी रात में आ गया एक बालक
बालक था श्री कृष्ण तीनो लोक का पालक
पगली ने पुछा नाम तो गोपाल बताया
पगली को उठा गोद में वो पानी पिलाया
श्री खाटू धाम जाने का रस्ता बताया
मंदिर तक बालक उसके साथ में आया
पगली ने समझा बच्चाश्री कृष्ण ने की रक्षा
मंदिर में आकर बालक अन्तरध्यान हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

फागुन में एक रात बड़ी अस्त वस्त थी
भगतो की भीड़ कीर्तन में मस्त मस्त थी
मंदिर के द्वार बंद थे पगली पहुच गयी
द्वारे पे सर पटक पटक कर पगली थी हस रही
लोगो ने श्याम जी को रंग लगाया
पगली ने श्री श्याम जी को खून चढ़ाया
पगली हुइ बेहोश और बेहाल हो गयी
दरबारी श्याम की लहू से लाल हो गयी
मजबूर पगली बोली अब खेलो श्याम होली
रंग दूंगी तुज्को खून से क्यु श्याम सो गया
हमने सुना है खाटू में हर काम हो गया

छाई घटाए तो बादल गरज पड़े
चारो दिशा में आंधी ओर तूफान गरज पड़े
एक हिनहिनाता घोडा दरबार को खड़े
मंदिर के ताले टूट पड़े श्याम चल पड़े
पगली का खून केसरिया रंग बन गया
कोढ़ी पति भी कामदेव बन गया
मंदिर में दोड़ती हुई वो वश्या आ गयी
जितनी ठगी थी दोलत वापस चढ़ा गयी
एक ढाढ़ी मुछ वाला पगली को उठाया
मस्तक पे हाथ फेर के जख्मो को मिटाया
पगली ने आख खोल के श्री श्याम को देखा
श्री श्याम ने बदल दी है दुर्भाग्य की रेखा
रमेश भगत गाता संजय भी ये सुनाता
खाटू में सच्चा श्याम जी का धाम हो गया
जो भी गया है खाटू उसका काम हो गया

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-sanjay-mittal/>